

DM
DARKMAGIC
DM
COMICS

#-२

भाग एक - दी ट्रेन

हॉरर नाइट्स

DADAR



इरा को आज नहीं मिला था मौका
कोचिंग के समय में हो गया था धोखा
दिल उसका एक धमाके से चौंका
मिला उसको वहाँ एक गैजेट अनोखा

पहन कर उसको बन गयी वंडर
धाड़कने लगा दिल और गयी वो डर
साईकल को बना दिया राकेट उसने
हो गयी खाक और मिल गई पावर

दो अंतरिक्ष यात्री से वो टकराई
हुई झड़प और कुछ हाथापाई
बातों बातों में पावर का ज्ञान हुआ
हार कर सैन और गैरन की हुई हंसाई

इरा के रूप में मिला नया एक्टर
डार्क मैजिक ने बढ़ा ये करैक्टर
हंसते हंसते दुश्मनों को ये रूलाये
यही है इरा के जीवन का फैक्टर

रवि गोयल की कलम से

मुंबई,

कहानी — विकास महतो

चित्र — एम

कलर — अमृत पासंग लामा

शब्दांकन — संजय यादव (संजु)

कवर — मुशीद आलम

संपादक — अरविंद कुमार यादव,

ऋषभ राज व डार्क

मैजिक कॉमिक टीम।



मुंबई, जो कभी नहीं सोती।

न ही सोते हैं इस शहर में सपने देखने वाले लोग...

मेरे को तो
आज सौलह हजार का
माल हाथ लगा है।

हा हा हा

तब तो तू
आज रानी के पास
जाएगा न बे ?

...और न ही जल्दी सोते हैं सपने को तोड़ने वाले लोग।

लगता है आज आरिफ को
रानी के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी
इधर देख...इधर।

क्या
मस्त चीज है
बाप !

बवाल है बे !

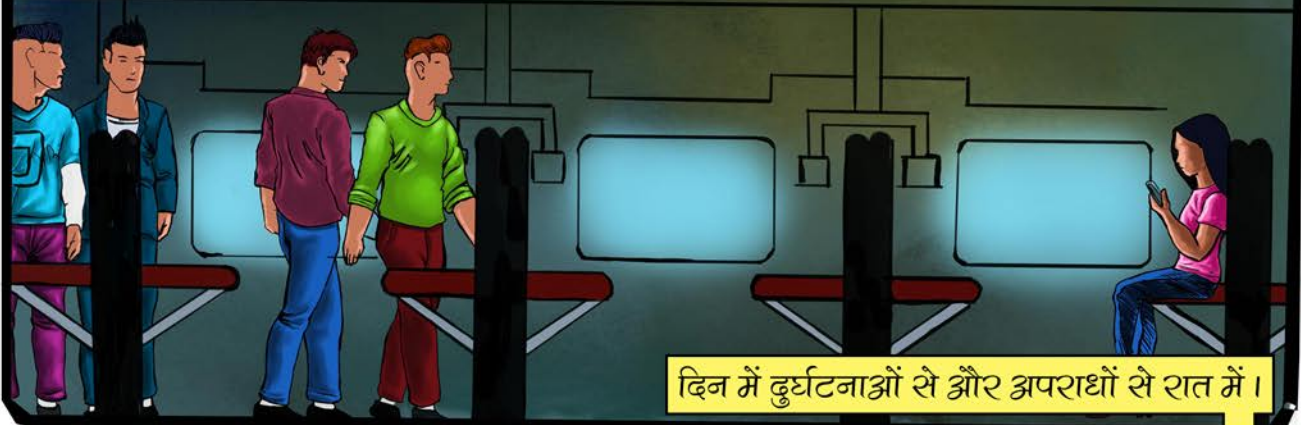
चलें क्या ?

पागल है
क्या बे ?

अबे
डर क्यों रहा
है ?

यहाँ तो हम
चारों के अलावा कोई
और है भी नहीं।

मायानगरी मुंबई जख्मों से रोज लहलुहान होती है।



दिन में दुर्घटनाओं से और अपराधों से रात में।



औफफफ

ओए! ये
क्या था?

आईला,
तेरी तो।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होने वाला हो
तो आप उसे पहले ही महसूस कर लेते हैं।



वह डर रही थी, उसने कुछ महसूस किया था।



आखिर वो
था क्या बे?

कुछ नहीं
साला, हम लोग का
भ्रम होगा।

छोड़ इसे,
चल टारगेट पर
ध्यान दे।

चारों ने कुछ अप्रत्याशित देखा।

ये??

कुछ ऐसा जो शायद संभव न था।

शायद लड़कों को दृष्टिभ्रम हुआ था कि डिब्बे में उस लड़की और उनके सिवा कोई और नहीं है।

ये साला
हड्डी की दुकान कहाँ
से आ गया?

पर कोई था जो अपनी मौजूदगी का पुख्ता प्रमाण दे रहा था।

शायद लड़की के
पीछे वाले सीट पर दुबक कर
बैठा होगा।

हुंह, साला सब
चौपट हो गया। अपना तो
मूड भी बन गया था।

टेंशन न लो बे,
अब सब रानी के ही
पास चलेंगे।

चलने के लिए सलामत रहना जरूरी था।

पास आ रहा था वह।

ओय क्या है भिडू ? इधर अपुन लोग के पास आके खाड़ा क्यों हुआ तू ?

क्यों तेरे बाप की है क्या ?

ओय डेढ़ पसली, जा ना यहाँ से ! पहले तो हमलोगों का काम खराब किया अब दिमाग भी खराब कर रहा है।

मैंने तेरा कौन सा काम खराब किया बे हवशी ?

साले गले से हाथ हटा पहले।

पहले बता फिर हटाऊँगा

गला छोड़ साले उसका।

ठीक है।

लो छोड़ दिया,

गला छोड़ने की बात हुई थी या उखाड़ने की ?

अब बता।

अब बता न, मुँह में दही जमा के रखा है ?

तू कौन है बाप ? हम लोगों से क्या चाहता है ?

अभी पता चल जाएगा...

... क्योंकि जल्द ही तुम लोग भी देखने वाले हो ...

...अपनी मौत को ।



मौत का भी कोई भरोसा नहीं, कभी भी, कहीं भी आ सकती है ।

किसी को माफ करना सबसे महान काम है ।



हम लोगों को
माफ कर दो, हमें
जाने दो प्लीज

पर कुछ लोगों की औकात माफी पाने तक की भी नहीं होती ।

मरने के बाद भी हर पल, हर समय
उसके साथ रहने का एक् ही मकसद है ..



...बस वह सुरक्षित रहे ।

मौत के सामने कोई लड़ नहीं सकता ।

इसका दिल
तो बहुत छोटा
है रे !



लगतता है
उन दोनों का भी चेक
करना पड़ेगा ।

मौत के सामने सिर्फ गिड़गिड़ाया जा सकता है ।



उसकी तरफ किसी ने आँख भी उठाया तो आँख नोंच कर रख दूँगा ।

तुम दोनों क्या
कह रहे थे ? तुम दोनों को
माफ कर दूँ ?

हाँ हाँ ,
प्लीज...प्लीज हमें
जाने दो ।

म..मुझे
माफ कर दो । मैंने मना श्री
किया था इनको । सच !

ऐसे कैसे माफ
कर दूँ तुम्हें ।

मौत निश्चित थी ।

खच्च खच्चाक

आह्ह्ह

आह ! बचाओ ।

हा हा हा हा

मौत को टाला नहीं जा सकता ।

खच्च

खच्च !

आह्ह्ह
आआह्ह्ह्ह !

चलो अब
तुम्हारा इस दुनिया को
अलविदा कहने का समय
आ गया है ।



सब कुछ खत्म हो चुका था ।

... और अब वो उस लड़की की ओर जाने लगा ...



लड़की ने फिर से वही अंजाना डर महसूस किया।



पर सिर्फ कुछ पलों के लिए।

या शायद वह डर नहीं था।



वह एक एहसास था किसी के होने का...

I will
always miss you...
I love you.

...जो इस दुनिया में था ही नहीं।



I love you too.

ब्लैक बोर्ड-2

नमस्कार बंधुओं,

आशा है आप यह अंक पूरा पढ़ कर ही यहाँ आए होंगे। यह कॉमिक्स थी तो छोटी पर असरदार जरूर रही होगी। इसकी छोटी होने की दो वजहें थी। पहला कि 'इरा' और 'जादूगर चिंदू' की कॉमिक्स को अंतिम रूप देने में देरी होना और दूसरा जल्दी कॉमिक्स लाने का वादा।

मित्रों, इस लघु कॉमिक्स के माध्यम से यह भी बताने की कोशिश थी कि सुनसान में एक अकेली लड़की अवसर नहीं बल्कि जिम्मेदारी होती है। बीते 8 मार्च को हमने विश्व महिला दिवस मनाया जिसका लक्ष्य है नारी सशक्तिकरण। इरा जैसी चरित्र का निर्माण करना इस बात का द्योतक है कि नारी अपनी शक्ति पहचाने, आत्मनिर्भर हो और अपनी सुरक्षा स्वयं सुनिश्चित कर सकें। आगामी अंक में आप अपने सुपरहीरोज के और भी रंगों से रूबरू होंगे।

दोस्तों, हमने ब्लॉग पर भेजे गये पाठकों की टिप्पणियों को गौर से पढ़ा, समझा और कुछ चुनिंदा टिप्पणियों को हर अंक में छापने का फैसला किया है। हमने इनमें से कुछ पर अमल करना शुरू भी कर दिया है। आशा है, आगे भी पाठकों द्वारा हमारा मार्गदर्शन होता रहेगा। पाठकों से अनुरोध है कि हमारे फेसबुक पेज 'डार्क मैजिक कॉमिक्स' को लाइक करें जिसके जरिए नई जानकारी और मीम्स आप लोगों तक बेरोक-टोक पहुँचती रहे। शीघ्र मिलते हैं अगले अंक में।

धन्यवाद।

टीम डार्क मैजिक कॉमिक्स

डार्क मैजिक कॉमिक्स में जादूगर
चिंदू के बचपन की अठखेलियों से
भरी हुई गुदगुदाती कॉमिक....

देख फुल्लन,
वो रही तेरी वो..

फमझ गया उफताद ।
पर उफमें फे मेरी वाली
कौन फी होगी ??

मैं इस मोटे को
छोड़ुंगा नहीं ।

अबे मेरी वाली
को बोल रहा है
मोटा, (गुर) ।

मैं क्या बोलू ?
मैं तो खुद ही अपनी वाली के
पीछे पड़ा हूँ, (बूहूहू) ।

...जादूगर चिंदू

भाग एक:- भुल्लन की सबक



जल्द आ रहा है...

सूखी मैना



हमारी पिछली कॉमिक आप लोगों द्वारा काफी पसंद की गई और हमारी उम्मीद से बढ़कर हमें प्यार भी मिला। कुछ भाईयों ने अपने बहुमूल्य टिप्पणियों के माध्यम से हमारा हौसला बढ़ाया साथ ही कुछ ने हमें अपने कीमती सुझाव भी दिए। कुछ गिनी-चुनी टिप्पणियों को हमने इस अंक में छापा है। उम्मीद है इससे आप सभी का भी हौसला बढ़ेगा।

Comics junction cfs 28 February 2020 at 07:06

बहुत ही सराहनीय वर्क है। आप सभी डार्क मैजिक टीम को पहले पहले प्रयास के लिए शुभकामनाएं। कॉमिक्स की बात करे तो कामिक्स का आर्टवर्क और कलर बहुत ही जबरदस्त है और स्टोरी भी बहुत अच्छी लगी। उम्मीद है अगला अंक भी शीघ्र ही आयेगा 🙏

Unknown 28 February 2020 at 13:53

Bhai please bura mat maniyega magar sirf first page hi padh k aage nahi padha na dekha kyunki artwork me bahut zada gadbad h. Kyunki pichhe dekhne me chahta itna nahi ghumta aur story ben10 se mari hai lagi

Vijay khandode 28 February 2020 at 07:09

Bahut badhaiya bhai aap ko is new comics company ke liye. Aap apana bahumulay samaya Nikal ker comics industry ko khatam hone se Jo bach rahe hai. Aap ke is sarahaneey karya ko naman karata hu. Aap ki pahali fan made comics eara ke karname padi badiya lagi. Aage ke part Ka intajer rahega.

Swapnil Singh 28 February 2020 at 07:08

Maza aya comics padh ke. Next part ka wait hai ab mujhe.

surinder 28 February 2020 at 07:55

main ye to nahi kahunga k comics bohat achi bani hai.. artwork average tha.. magar apki mehnat aur paryas ko main apki is comics me saaf saaf dekh paya.. mujhe story wise achi lgi cokics.. pehle hi paryaas ke hisab se apka kaam mujhe sahi lga hai.. aur next comics ki ads sone pe suhaga thi.. aur apke next black board ka bhi intezaar rhenga.abhi next comics ki pratiksha hai... uske liye apki team ko shub kaamnayen.. shukriya is comics k liye..

NARESH KUMAR 28 February 2020 at 06:55

Nice comics..well done team

COMMENTS PAGE 1

AZAD KUMAR 28 February 2020 at 06:56

Bahut hi achha prayas, achi lagi mujhe, art ache bane hain, 🙌🙌🙌
Waiting for next part...

Anurag Kumar Singh 28 February 2020 at 07:01

achha prayas hai. apke sunder aur sukhad bhawishya ki kamna karte hain.

Anonymous 28 February 2020 at 07:22

Nice work brother,
एक ही बात कहना चाहूंगा आपके शुभचिंतक के नाते की कहानी एकदम प्रेडिक्टेबल थी। पाठक के रूप में मुझे पहले ही आभास हो गया था कि अगले पेज में या कथानक में आगे क्या होने वाला है।
आशा है कि आप ओमेगा डिवाइस का ओरिजिन बहुत ही तगड़ा लिखने वाले हैं।
इसी उम्मीद के साथ 4/5

Vijay shetty 28 February 2020 at 06:57

Good work.art accha.inking aur color jyada karo.waiting for second part

Unknown 28 February 2020 at 07:21

इसको देखने और पढ़ने के बाद यह समझ में आ रहा है कॉमिक्स का एक नया फेज का स्टार्ट हो गया है। 🤩🤩🤩🤩🤩🤩🙌🙌

Rudra Anurag Sharma 28 February 2020 at 07:01

वाकई बेहतरीन प्रयास है पढ़ के मजा आया। आशा है ऐसे ही आगे भी आप मनोरंजक कहानी के साथ आते रहेंगे।

kdy 28 February 2020 at 07:53

Cool !
Bas thodda sa artwork aur realistic kar lein.
Baaki aapki koshish जानदार hai.
Loved it. 🤩🤩🤩🤩

Unknown 28 February 2020 at 07:15

Intersting cha dai congratulations dai hajur lai ani hajur ko team lai.

🙌🙌🙌 Best wishes

COMMENTS PAGE 2

Aparichit 5 March 2020 at 05:21

आज कॉमिक्स पढ़ने का समय मिल ही गया , आपकी पहली कॉमिक्स के हिसाब से आपका प्रयास अति सराहनीय है, आर्टवर्क और स्टोरी में डिटेलिंग बढ़ाने की कोशिश करें, बाकी सब फर्स्टक्लास है, कहानी बढ़िया है, आज की पीढ़ी के अनुपात में एकदम सही स्टोरी है, अब अगले भाग की प्रतीक्षा है

धन्यवाद आपकी पूरी टीम को

Unknown 1 March 2020 at 17:43

Congratulations for your first comic edition :)
Aaj ke time me aapne itna time aur resources laga ke comics banaai hai aur free me share kar rahe ho ye hi apne aap me badi baat hai :)

Comic bhi mujhe acchi lagi, thodi chhote bacche type ki story hai, series kam aur funny zyaada hai lekin isme ek alag innocence feel hui jo mujhe accha laga :)

Unknown 28 February 2020 at 22:59

Thank you so much Jo apne ye comic creat ki or story se lekar art ki baat kare sab jabardast hai me apse ye gujaris karunga ki ESE hi or comics Hume jald uplabdh karayie

सम्राट 28 February 2020 at 23:40

कहानी ओर चित्रांकन बेहतरीन लगी बस थोड़ी फ़ास्ट हो गई कहानी थोड़ी स्लो करते जैसे उसे पॉवर का मिलना इसे ओर बेहतर ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता था ओवर ऑल 10/9 पॉइंट हमारे हिसाब है ये आपकी पहली कोशिश थी आशा करता हु आगे ओर सुधार करेंगे आप सभी का धन्यवाद ओर आगामी कॉमिक्स के लिए बेस्ट ऑफ लक

Sandeep Mishra 28 February 2020 at 23:43

Bahut hi Sarahneey prayas hai aap sabhi ka.ummeed hai niymit antara par aap ham sabhi ko aise hi entertain karte rahenge.aap comics jagat par raaz kare ishwar se ham yahi dua karenge..Dhanyawad

Indian 28 February 2020 at 08:03

भाई आपने कॉमिक्स सेंड की,उसमे काफी गलतियां मुझे लगी,आपने अच्छे प्रयास किए है,लेकिन किसी को पावर देने के लिए कुछ कारण देने होते है,आपने उसको तुक्के से शक्ति दिलवा दी,कॉमिक्स को किड्स बेस्ड बना दिया है,अगर आप थोड़ा सा कॉमिक्स का अध्ययन करें, तो आपकी कॉमिक्स में पूरी तरह मैच्यूरिटी आ सकती है।

Aarya 28 February 2020 at 21:09

सबसे पहले लोगों में कॉमिक की जूनून बनाए रखने के लिए धन्यवाद । कहानी उम्दा है इसी तरह लिखते रहिये । DM COMICS के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ ।

आयुष दिक्षित 28 February 2020 at 20:26

बहुत अच्छा काम कर रहे आप लोग आगे और भी सुधार की उम्मीद है । और थोड़ा हास्य कम हो तो ओर मजा आएगा ।पढ़ने में । रहस्यो से पर्दा अगले में भाग में उठने की पूरी उम्मीद

Chandan Kumar chhawindra 28 February 2020 at 09:45

बहुत सराहनीय प्रयास किया है आप लोगो ने..
आप सभी इसी तरह हमारा मनोरंजन करते रहे..
आप सभी की उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ🙏🙏

praveen pandey mukutpur 28 February 2020 at 09:32

हमारी शुभकामनाएं स्वीकार करें... सराहनीय प्रयास। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप पर धनवर्षा होती रहे ताकि आप कॉमिक्स निर्माण में पूरा समय दे सकें...

Rahul Jaiswal rdx 28 February 2020 at 07:50

Bahut shandar prayas puri dark magic team ko badhayi

Arjun sharma 28 February 2020 at 07:33

डार्क मैजिक टीम को #हार्दिक बधाई !

पूरी टीम की मेहनत और जज्बे को मेरा सलाम !
कॉमिक्स संस्कृति आज लगभग लुप्त होने की कगार पर है । ऐसे में आपका ये प्रयास काबिलेतारीफ है ।

अरविंद जी ने कहानी को बढ़िया स्टार्ट दिया है, एक सिटिंग में ही पूरी चट कर गया । ही ही ही ! मतलब पढ़ लिया । अगले भाग की प्रतीक्षा चर्मोत्कर्ष पर है । पटकथा थोड़ी जानी-पहचानी सी लगी मगर सुपरहीरो/हीरोइन के कांसेप्ट के हिसाब से कुछ नया दे पाना बहुत जटिल कार्य है। कुल मिलाकर अच्छा कार्य किया आपने आगे और बेहतर की उम्मीद है ।

सूरज मालवीय जी का चित्रांकन उम्दा है । चित्र कथानक से न्याय करते हैं।

पासंग भाई के काम पर शक करने की कोई गुंजाइश ही नहीं है । (चाहूं भी तो कमी नहीं निकाल सकता, आगे इनसे बहुत काम लेना है ।) ही ही ही !

संजू बाबा की मुक्त कंठ से तारीफ करता हूँ शब्दांकन के लिए । एक कैलिग्राफर होने के नाते मैं जानता हूँ कि एक कैलिग्राफर को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है ? आपका काम पेशेवर कैलिग्राफर को टक्कर देता है ।

एक बार पुनः समस्त टीम को हार्दिक बधाई !